भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3834

17 मार्च, 2020 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी

3834. श्रीमती चिंता अनुराधा:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि केंद्र सरकार वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृषि उत्पादन हेतु विभिन्न तकनीक और योजनाएं प्रदान कर रही है, जो किसानों को रियायत पर मिल रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में जागरूकता लाने और प्रचार के लिए अपनाई जा रही अलग-अलग मीडिया का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख): सरकार ने कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों एवं योजनाओं के उपयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं और जिससे किसानों की आय दोगुनी हो गई है। इस दिशा में कुछ कार्यकलाप इस प्रकार हैं:-

i. बीज एवं रोपण सामग्री उप-मिशन (एसएमएसपी)
ii. प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी)
iii. मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) स्कीम
iv. देश के कृषि विश्वविद्यालयों तथा आईसीएआर संस्थानों द्वारा उत्पन्न किसानों तक ज्ञान एवं सूचना की पहुंच की सुविधा प्रदान करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) के नेटवर्क का सृजन।
v. कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी स्कीम (एटीएमए) के तहत विस्तार सुधार, कृषि विस्तार के लिए जन माध्यम समर्थन, किसान कॉल केन्द्रों, कृषि क्लिनिक तथा कृषि व्यापार केन्द्रों, प्रदर्शनों/मेलों आदि जैसी पहल।
vi. कृषि यंत्रीकरण उपमिशन (एसएमएएम)
vii. राष्ट्रीय कृषि मंडी योजना (ई-नाम)

(ग): सरकार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) एवं कृषि विश्वविद्यालयों आदि के तहत व्यापक कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) के नेटवर्क के माध्यम से कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) स्कीम, चार फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थानों (एफएमटीटीआई), समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) आदि के तहत पंचायत तथा ग्रामीण स्तर पर किसानों के लाभ के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा जागरुकता अभियान प्रदान करने के लिए योजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है।

भारत सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए किए गए विभिन्न कार्यकलापों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए जागरुक अभियानों, विज्ञापनों आदि को भी प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया में आयोजित किया जाना है।